156

संख्या– /XVI-2/13/7(3)/2014

प्रेषक,

डा0 रणबीर सिंह,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
रेशम विकास विभाग,
प्रेमनगर देहरादून।

उद्यान एवं रेशम अनुभागः–2 देहरादूनः दिनांकः 11 अप्रैल, 2014

विषयः–वित्तीय वर्ष 2014–15 के आय–व्ययक अनुदान संख्या–29 के आयोजनेत्तर पक्ष की योजना 0701–अधिष्ठान के बचनबद्ध/अबचनबद्व मदों में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त अनुभाग–1 के पत्र संख्या–318/XXVII(1)/2014,दिनांक 18 मार्च, 2014 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि रेशम विभागान्तर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष 2014–15 के आय–व्ययक अनुदान संख्या–29 के आयोजनेत्तर पक्ष की 0701–अधिष्ठान योजना के अन्तर्गत बचनबद्ध/अबचनबद्व मदों में प्राविधानित ₹73711 हजार के सापेक्ष **₹73690 हजार (₹सात करोड छत्तीत लाख नब्बे हजार मात्र)** की धनराशि वेब आधारित प्रणाली के माध्यम से पासवर्ड के आधार पर सेन्ट्रल सर्वर के माध्यम से बजट आवंटन संलग्न विवरणानुसार व्यय हेतु आपके निर्वतन में रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नांकित शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैंः–

1– इस धनराशि का व्यय केवल उन्ही मदों में किया जायेगा जिसके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है एवं धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार किया जायेगा।

2– उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग–1,उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या–318 /XXVII(1)/2014,दिनांक 18 मार्च, 2014 में दिये गये दिशा–निर्देशों तथा शासन द्वारा समय–समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

3– किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड–1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड–5 भाग–1 (लेखा नियम) आय व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा, तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर/ साफ्टवेयर का कय सूचना प्रौद्योगिकी (I.T.)विभाग के शासनादेशों/दिशा–निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

4– व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

5– व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।

6– व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0–8 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

7– योजनावार स्वीकृत धनराशि का व्यय सम्बन्धित योजना के संगत दिशा–निर्देशों के अनुरूप ही की जायेगी। किसी भी दशा में संगत दिशा–निर्देशों से इतर कार्यवाही नहीं की जायेगी।

8– स्वीकृत की जा रही धनराशि विभागीय आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय जिससे फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न होने पाये।

9– वृहद निर्माण कार्यो के आगणन बनाकर उसपर शासन का अनुमोदनोपरान्त ही धनराशि व्यय की जायेगी।

10– इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014–15 में अनुदान संख्या–29 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक–2401–फसल कृषि कर्म–आयोजनेत्तर–119–बागवानी एवं सब्जियों की फसलें–03–औद्यानिक विकास–0309–सहकारी जडी–बूटी योजना के अन्तर्गत **संलग्न विवरण** में अंकित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

11– यह आदेश वित्त विभाग के शा0 पत्र संख्या–318/XXVII(1)/2014,दिनांक–18 मार्च, 2014 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक–यथोपरि।

भवदीय,

(डा0 रणबीर सिंह)
प्रमुख सचिव।

संख्या–311 (1)/XVI-2/14/7(.)/2014,तददिनांक:

प्रतिलिपिः–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1–महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिग माजरा, देहरादून।
2–.समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।
3–.बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
4–राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
5–वित्त अनुभाग–4,उत्तराखण्ड शासन।
6–गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(देवेन्द्र पालीवाल)
संयुक्त सचिव।

NEW Budget 2011-2012 R.S. Rana